1497-1509 उतरी भारत

हरिद्वार में कुम्भ का मेला

1. ज्वाहर महल के पास पशुओं का वध लहोर में
2. कुंभ का मेला हरिद्वार page 91
3. समेर यात्रा टकलाकोट शहर में ठहरे हांशु लोहार तथा शिहाँ छिपा

योगी: लोहारिपा, चर्पट, भंगर नाथ, संघर नाथ, गोपी चंद

प्रश्न: कैसे अये, नाम बताओ, संसार का हाल बताओ , क्या करने अये हो

आपका गुरु कौन है कैसे प्राप्ति की Page 96 कैलाश तल 22000

लोहारिपा

1. चीन में नशे बंद करवाना

सुमेर पर्वत सिद्ध योगिओं के साथ

उड़ीसा में जग्गनाथ पूरी आरती का महत्व

चीन में नशीले पदार्थों से रोकना

**1510-16 पश्चिम से ले कर दक्षिण भारत**

कन्याकुमारी सिंगापूर

अबू और गुजरात जैनी साधू कोलम्बो – शिव्नाभ को उपदेश

दीपालपुर तो पक्प्त्न शेख ब्रह्मा 11 अनुयायी बाबा फरीद जी page=192

बुद्धि जीवी कौन जो मन से त्यागी, बड़ा व्यक्ति कौन – जो सुख दुःख में काम अये, समृधि प्राप्त कौन- जो तृष्णा प्र विजयी हो, दीन दुखी कौन- जो तृष्णा की पूर्ति कर लिए दर दर भटके, हमें सम्मान कैसे मिले- दिन दुखियों की सेवा करके, हम सबके मित्र कैसे बने- अभिमान त्याग कर मिठो वाणी कोई कैंची दिओ - सच की कैची

3rd 1516-18 केवल उतरी भारत तक

हिमाचल चम्बा नरेश, लेह लदाख कश्मीर वली कन्धारी स्यालकोट हमजा गौस

इस तरह भाई लहना जी से होती है उनको गुरु अंगद नाम देकर अपना उतरा अधिकारी थाप दिया

1539 गुरु अंगद देव जी को गुरु गद्दी मिली page 438

4th अरब देशों की थी

होते हुए सोनमयानी मक्का में जीवन नाम मौलवी को उपदेश मौलवी रुक्न्दीन का आना बगदाद के पीर के पुत्र को पताला पाताल के दर्शन समरकंद कंधार पेशावर से एम्नावाद , बाबर का प्रसंग क्थ्थू नगल के किसान बाबा बुड्डा जी